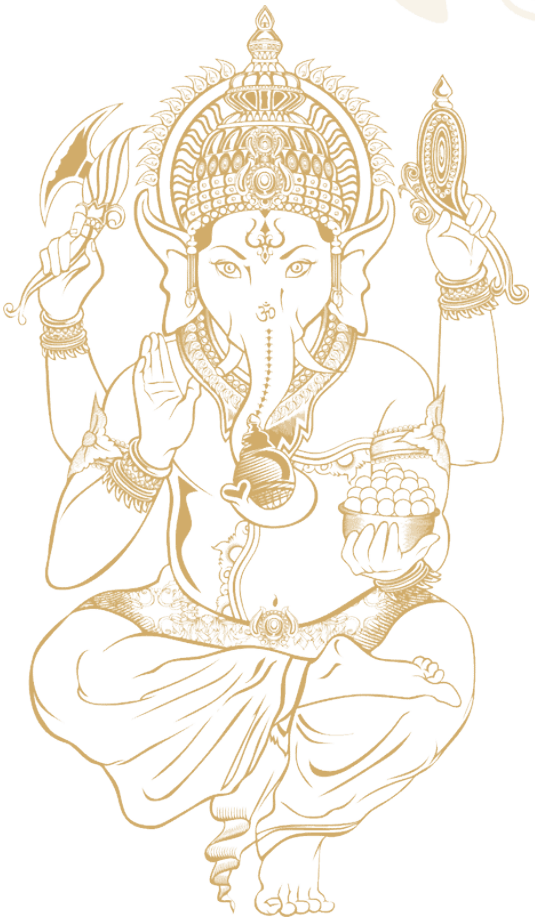

06 May 2019

11:39 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121335104

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**06/05/2019**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:39:00 घंटे**
इष्ट	15:05:02 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:17:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:20 घंटे
साम्पातिक काल	02:13:08 घंटे
सूर्योदय	05:36:59 घंटे
सूर्यास्त	18:59:02 घंटे
दिनमान	13:22:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:19:34 मेष
लग्न के अंश	16:38:42 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शोभन
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-ऐश्वर्या
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	16:38:42	307:11:17	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	---
सूर्य			मेष	21:19:34	00:58:08	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			वृष	07:15:09	13:17:08	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मूलत्रिकोण
मंगल			वृष	29:28:47	00:38:58	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
बुध			मेष	04:56:30	01:49:23	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	सम राशि
गुरु	व		वृश्चि	29:13:54	00:04:33	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मीन	24:46:05	01:12:49	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	उच्च राशि
शनि	व		धनु	26:21:53	00:00:36	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
राहु	व		मिथु	25:26:27	00:08:23	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	25:26:27	00:08:23	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	उच्च राशि
हर्ष			मेष	09:09:54	00:03:23	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	---
नेप			कुंभ	24:01:56	00:01:26	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	28:59:50	00:00:20	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			मेष	11:27:30	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:20

लग्न-चलित

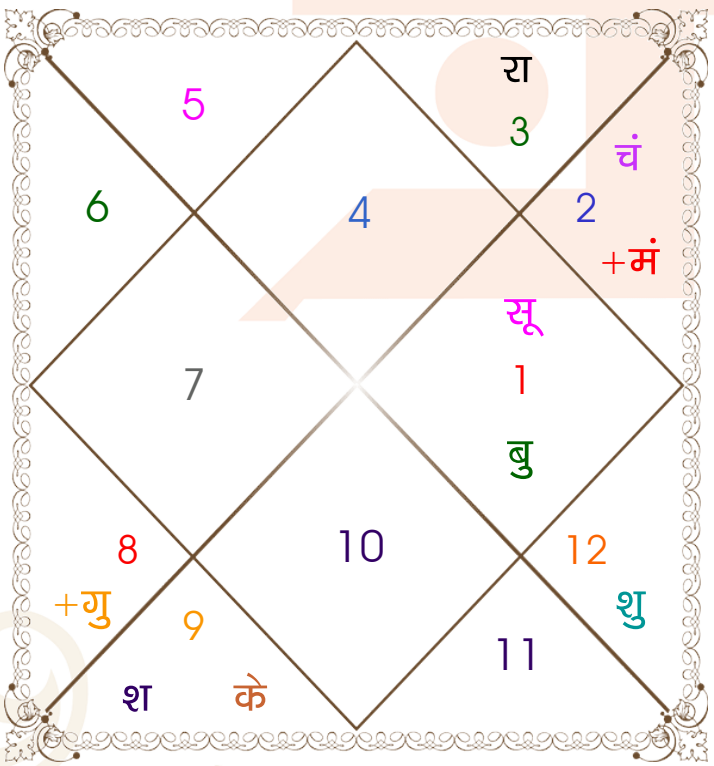

चन्द्र कुंडली

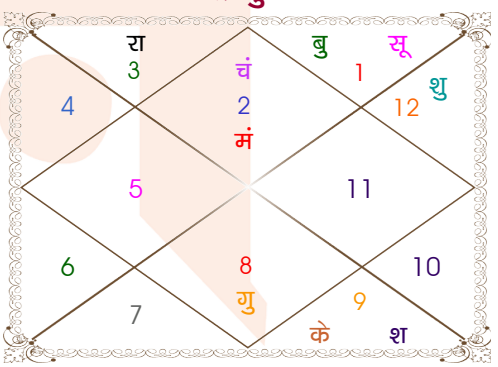

नवमांश कुंडली

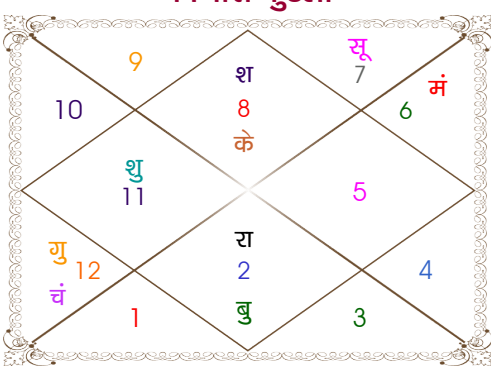

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 2 मास 25 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
06/05/2019		31/07/2020		31/07/2030		31/07/2037		31/07/2055	
31/07/2020		31/07/2030		31/07/2037		31/07/2055		31/07/2071	
	00/00/0000	चंद्र	31/05/2021	मंगल	27/12/2030	राहु	12/04/2040	गुरु	18/09/2057
	00/00/0000	मंगल	30/12/2021	राहु	15/01/2032	गुरु	06/09/2042	शनि	31/03/2060
	00/00/0000	राहु	01/07/2023	गुरु	21/12/2032	शनि	13/07/2045	बुध	07/07/2062
	00/00/0000	गुरु	30/10/2024	शनि	29/01/2034	बुध	30/01/2048	केतु	13/06/2063
	00/00/0000	शनि	31/05/2026	बुध	27/01/2035	केतु	16/02/2049	शुक्र	11/02/2066
	00/00/0000	बुध	31/10/2027	केतु	25/06/2035	शुक्र	17/02/2052	सूर्य	30/11/2066
	06/05/2019	केतु	31/05/2028	शुक्र	24/08/2036	सूर्य	11/01/2053	चंद्र	31/03/2068
केतु	31/07/2019	शुक्र	29/01/2030	सूर्य	30/12/2036	चंद्र	13/07/2054	मंगल	07/03/2069
शुक्र	31/07/2020	सूर्य	31/07/2030	चंद्र	31/07/2037	मंगल	31/07/2055	राहु	31/07/2071

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
31/07/2071		31/07/2090		01/08/2107		01/08/2114		01/08/2134	
31/07/2090		01/08/2107		01/08/2114		01/08/2134		00/00/0000	
शनि	03/08/2074	बुध	27/12/2092	केतु	28/12/2107	शुक्र	01/12/2117	सूर्य	19/11/2134
बुध	12/04/2077	केतु	24/12/2093	शुक्र	27/02/2109	सूर्य	01/12/2118	चंद्र	20/05/2135
केतु	22/05/2078	शुक्र	24/10/2096	सूर्य	04/07/2109	चंद्र	01/08/2120	मंगल	25/09/2135
शुक्र	22/07/2081	सूर्य	30/08/2097	चंद्र	03/02/2110	मंगल	01/10/2121	राहु	19/08/2136
सूर्य	04/07/2082	चंद्र	30/01/2099	मंगल	02/07/2110	राहु	30/09/2124	गुरु	07/06/2137
चंद्र	02/02/2084	मंगल	27/01/2100	राहु	20/07/2111	गुरु	01/06/2127	शनि	20/05/2138
मंगल	13/03/2085	राहु	16/08/2102	गुरु	25/06/2112	शनि	01/08/2130	बुध	27/03/2139
राहु	18/01/2088	गुरु	21/11/2104	शनि	04/08/2113	बुध	01/06/2133	केतु	07/05/2139
गुरु	31/07/2090	शनि	01/08/2107	बुध	01/08/2114	केतु	01/08/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 2 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि में ही द्रेष्काण उदित था। आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन उज्जवल एवं फलदायक है। परन्तु आपके स्वास्थ्य से सम्बंधित कतिपय सतर्कतापूर्ण निर्देश प्राप्त होते हैं।

प्रायः कर्क राशीय प्रभाव से आप शारीरिक रूप से बाल्यावस्था में सुकुमार रहेंगे। बल्कि आयु वृद्धि के साथ-साथ आपकी शारीरिक अभिवृद्धि भी होगी तथा शारीरिक स्थिति में सुधार संभव है। तथापि वृश्चिक नवमांश के प्रभाव से आप दुःसाहसिक कदम उठाएंगी। फलस्वरूप आप कतिपय रोगों से आक्रान्त हो सकती हैं। उत्तम तो यह है कि आपका पाचन क्रिया के कारण कुष्ठ रोगादि उत्पन्न होने के पूर्व ही सतर्कता अपनाना ठीक है। आप सतत ही सन्धिवात अर्थात् गाँठ के दर्द (गठिया) वाय, अलसर, गौस्टिक रोग एवं नितम्ब बेदना रोग उत्पन्न होने के प्रति रक्षित रहें। आप उत्तम स्वास्थ्य लाभ हेतु नियमितता बनाए रखें तथा अधिक भोजन करने की आदत पर नियंत्रण रखें।

आप बहुत धनोपार्जन करेंगी तथा आपके पास धन कोष पर्याप्त रहेगा। यह सुनिश्चित है, जबकि आप एकाग्रचित होकर स्वतः अपने कार्य उद्देश्य के सफलता की प्राप्ति हेतु दृढ़तापूर्वक प्रयासरत रहें। आपके जीवन का भाग्यशाली समय 36 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा। आप अपनी अति अभिलाषा पर नियंत्रण रखें तथा अपने उद्देश्य को कार्यरूप दें। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि आप विश्वसनीयता पूर्वक कार्य सम्पादन करेंगी। आप मंत्रि पद एवं उच्च कार्यकारी पदाधिकारी पद पर आसीन हो सकती हैं। बशर्ते कि विश्वास पूर्वक अपनी प्रतिष्ठा को सम्मान जनक बना सकें। आपके लिए व्यवसाय जल से सम्बंधित कार्य है। यथा तटबन्ध, नहर-सिचाई, कृषि एवं जहाजरानी सम्बंधी कार्य अनुकूल होंगे।

आप जनसामान्य हेतु ज्योतिषीय कार्य अर्थात् भविष्यवक्ता, शिक्षण कार्य आदि आध्यात्मिक व्यवस्था को पसन्द करती हैं। क्योंकि आपने विश्वसनीयता पूर्वक आध्यात्मिक ज्ञान का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपकी उच्चाकांक्षा है कि आप दर्शनीय तीर्थस्थानों का भ्रमण कर, लोक कल्याणकारी कार्य प्रस्तुत करेगी। आपमें यह गुण विद्यमान है कि बहुसंख्यक प्राणी आपकी विश्वसनीयतापूर्ण आध्यात्मिक समर्पण की प्रशंसा करेंगे। आप विश्वसनीयता को प्राथमिकता देकर प्रशंसित व्यवसाय करेंगे तथा सदैव आपका व्यवहार जनसाधारण द्वारा प्रशंसित रहेगा।

आप उच्च कोटि की भावुक स्त्री हैं। आप अपने परिवार के साथ पूर्णतः सम्बंधित रहेगे। आप अपनी पति के पूर्ण स्नेह प्रदान करने के लिए तत्पर रहकर अपने पारिवारिक सदस्यों की उन्नति और सुधार के लिए त्याग करेंगी। तथापि आप अपनी आश्चर्यजनक उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने के अभ्यास का आचरण करें। इसमें सन्देह नहीं कि आप सदैव शान्त रहती हैं, तथापि शीघ्रतापूर्वक पुनः समत्वबुद्धि (धैर्य) धारण कर लेते है। परन्तु इस प्रवृति का

दृश्यान्त आंशिक हानिप्रद होता है। अतः आप इस बेसुधपना को अनिवार्य रूप से शान्ति पूर्ण बना लें तथा निश्चिततापूर्वक विश्राम ग्रहण करें।

आप अपने स्तर के बहुसंख्यक मित्र अपनी यात्रा क्रम में बनाएंगी। आपकी अभिलाषा है कि आपका मित्रतापूर्ण संबंध शुभकांक्षाओं से युक्त एवं विश्वास जनक हो। आप अपने मित्रों के साथ आमोद-प्रमोद युक्त आनन्द एवं प्रीति मिलन मुक्तहस्त से अपने आवास पर उदारतापूर्ण आनन्द प्राप्त करेंगी।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक, 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली प्रमाणित होगा एवं अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त है। आपके लिए रंग ब्लू एवं हरा रंग उपयुक्त नहीं अस्तु आपके लिए लाल, पीला, सफेद एवं क्रीम रंग फलदायक प्रतीत होता है।